सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2025-26

कक्षा:-8	विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक	पाठ 13 अनुभव से सीख

मौखिक कौशल

1. एन०आर० नारायण मूर्ति ने इन्फोसिस कंपनी की स्थापना की थी।

2. नारायण मूर्ति ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से की थी।ज्ञ

3. पेरिस से भारत लौटते समय बुल्गारिया देश की पुलिस ने नारायण मूर्ति को गिरफ्तार कर लिया था।

4. भारतीय पुराणों में आत्म- ज्ञान ही सर्वश्रेष्ठ ज्ञान माना गया है।

लिखित कौशल

1. (क) एन आर नारायण मूर्ति इनफ़ोसिस कंपनी के अध्यक्ष हैं।

(ख) नारायण मूर्ति ने सन् 2007 में न्यूयार्क के 'स्टर्न स्कूल ऑफ़ बिजनेस' में भाषण दिया था।

(ग) नारायण मूर्ति ने अपने अनुभव इसलिए बाँटे ताकि उनके संघर्षों के बारे में जानकर सुनने वालों के जीवन पर एक सकारात्मक प्रभाव पड़े। वे लोग जान सकें कि कभी-कभी किस तरह परिस्थितियाँ, कोई अवसर या किसी व्यक्ति से मुलाकात उनके जीवन को नया आकार दे सकते हैं।

(घ) एक दिन रविवार की सुबह नाश्ता करते समय नारायण मूर्ति को अमरीकी विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध कंप्यूटर वैज्ञानिक से मिलने का अवसर मिला। वे विद्यार्थियों के

समूह के साथ कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नए-नए परिवर्तनों एवं विकास के संबंध में चर्चा कर रहे थे। वे चहुँमुखी प्रतिभा के धनी और इतने प्रभावशाली व्यक्ति थे कि किसी की भी विचारधारा को आसानी से बदल दें। नारायण मूर्ति उनसे इतना प्रभावित हुए कि नाश्ता समाप्त करके सीधे पुस्तकालय में जा पहुँचे और वहाँ उन शोध-पत्रों को ढूँढ़ निकाला, जिनका उल्लेख कंप्यूटर वैज्ञानिक ने नाश्ता करते समय किया था। उन शोध-पत्रों को पढ़ने के उपरांत जय नारायण मूर्ति पुस्तकालय से बाहर निकले तो यह निश्चय कर चुके थे कि उन्हें कंप्यूटर विज्ञान में ही अपना भविष्य बनाना है।प

(ङ) सन् 1974 की बात है। नारायण मूर्ति पेरिस से भारत लौट रहे थे। रास्ते में बुल्गारिया रुके थे जहाँ से उन्होंने निस रेलवे स्टेशन पर इस्तांबुल जाने के लिए रात में 'सोफिया एक्सप्रेस' पकड़ी थी। रेलगाड़ी के डिब्बे में कुछ ऐसी गलतफ़हमी हुई कि बुल्गारिया की पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। शायद उन्हें किसी ने सूचना दी थी कि वे एक महिला सहयात्री के साथ वहाँ की सरकार के विरुद्ध बातचीत कर रहे हैं। एक छोटे-से कमरे में अमानवीय परिस्थितियों में उन्हें 72 घंटे तक कैद में रखा गया। इसके बाद उन्हें रिहा करके पुलिसवालों ने इस्तांबुल जाने वाली गाड़ी में गार्ड के डिब्बे में बिठा दिया।

(च) इनफ़ोसिस की नींव रखने के साथ ही नारायण मूर्ति तथा उसके सहयोगियों को चुनौतियों ने घेर लिया था। इन चुनौतियों ने उनके धैर्य की परीक्षा ली। कभी-कभी तो ऐसा लगा कि कंपनी का भविष्य अंधकारमय हो चला है। लेकिन, नारायण मूर्ति और उनके सहयोगियों ने इन चुनौतियों का डटकर सामना किया। इसी संदर्भ में नारायण मूर्ति ने कहा कि मेरा यह विश्वास है कि जब अँधेरा सबसे ज्यादा गहरा होता है तब सुबह सबसे नज़दीक होती है।

2. (क) गलत (ख) गलत (ग) सही (घ) सही (ङ) गलत

मूल्यपरक प्रश्न

1.इन पक्तियों से पता चलता है कि नारायण मूर्ति अपने देश तथा देशवासियों से अत्यधिक लगाव रखते हैं। इसलिए उनके मन में देशवासियों के लिए कुछ करने का विचार अंकुरित हुआ।

2. इन पंक्तियों से हमें प्रेरणा मिलती है कि कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। हमें चुनौतियों का डटकर मुकाबला करना चाहिए। भले ही अंधकार गहरा हो पर संयम बनाए रखो क्योंकि रोशनी की किरण नजदीक ही है।